दैनिक प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

बर्षः- 04
अंकः-70
मुरादाबाद
30 June 2024
(Sunday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सम्मान समारोह में बोले सीएम योगी- शिक्षकों का सम्मान वर्तमान और भावी पीढ़ी का सम्मान है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षण कला में नये अनुसंधान की जरूरत है। एक शिक्षक का कार्य बच्चों में मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान देश की वर्तमान और भावी पीढ़ी का सम्मान है। बच्चों में मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना ही एक शिक्षक का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि हमें छोटी-छोटी लोकोक्तियों के माध्यम से शिक्षण कला को और मनोरंजक बनाना होगा, साथ ही

इस क्षेत्र में लगातार नये अनुसंधान की भी जरूरत है। सीएम योगी शनिवार को गोमती नगर विस्तार में स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था सीएमएस में शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने सीएमएस के संस्थापक डॉ जगदीश गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने सीएमएस की संस्थापिका और चेयरमैन डॉ भारती गांधी की भी इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने डॉ जगदीश गांधी जी के साथ अलीगढ़ से आकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस विशाल वटवृक्ष को रोपने का कार्य किया। कहा कि आज यह वटवृक्ष हजारों विद्यार्थियों को अपनी छाया प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ भारती गांधी ने सीएमएस को प्रदेश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ जगदीश गांधी विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानने वाले व्यक्ति थे। सीएम ने डॉ जगदीश गांधी और अपने संबंधों की चर्चा भी की।मुख्यंमत्री ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान हमारे वर्तमान और भावी जीवन का सम्मान है। जो देश के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं उनका सम्मान करना अपने आप में सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षण व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान कठिन परिश्रम है। परिश्रम से ही हमें अंतःकरण की खुशी मिलती है। विद्यार्थियों को उबाऊ कक्षाओं से उबारकर कैसे मनोरंजक शिक्षा की ओर ले जाया जा सकता है, शिक्षकों को इसका ध्यान रखना होगा। शिक्षण कला में नये-नये अनुसंधान करने होंगे। बच्चे कैसे आसानी से शिक्षा को ग्रहण कर सकें, इसका ध्यान रखना होगा। सीएम योगी ने अपने विद्यार्थी जीवन की भी चर्चा करते हुए कहा कि छोटी-छोटी लोकोक्तियों के माध्यम से हमें शिक्षा को मनोरंजक बनाना होगा। बच्चों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा, साथ ही उनकी क्षमताओं का भी ध्यान रखना होगा। बच्चों के साथ जबरदस्ती न हो, इसके लिए हमें धीरे-धीरे उन्हें प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएमएस के पास एक अनुभवी लीडरशिप है। हजारों परिवार अपने बच्चों को बेझिझक सीएमएस में भेजते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यहां जो शिक्षा दी जाएगी वो उनके बच्चों के उज्वल भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने कहा कि ये अच्छी बात है कि हम अपने बच्चों को आईएएस और आईपीएस बनाएं, मगर उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हमारे बच्चे एक अच्छे राष्ट्रभक्त नागरिक बनें। हमें बच्चों में मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के लिए सीएमएस प्रबंध समिति का आभार जताया। साथ ही ये उम्मीद भी जताई कि सीएमएस से निकले छात्र-छात्राएं देश दुनिया में अपनी प्रतिभा का प्रभाव पैदा करेंगे। इस अवसर पर सीएमएस के शिक्षक-शिक्षिकाएं और प्रबंध समिति से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

फिर उठी तीन डिप्टी सीएम बनाने की मांग, शिवकुमार बोले- कांग्रेस नेता पार्टी के हित में मुंह बंद रखें

शिवकुमार ने अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुंह बंद रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के हित में इस मामले में कुछ भी बोलने से बचें।कर्नाटक सरकार और कांग्रेस पार्टी में घमासान मचा हुआ है। वहां मुख्यमंत्री बदलने की मांग तेज हो गई है। यहां तक कि कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठ रही है। बता दें कि राज्य में इस वक्त मुख्यमंत्री सिद्धरमैया है, वहीं उपमुख्यमंत्री पद पर डीके शिवकुमार काम कर रहे हैं। दो-दो मंत्रियों के बावजूद तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग गूंजने लगी है। डिप्टी सीएम के मांग के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान नहीं देने को कहा। साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी दी।शिवकुमार ने अपने पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुंह बंद रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के हित में इस मामले में कुछ भी बोलने से बचें। साथ ही, संतों से राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने का भी अनुरोध किया।राज्य मंत्रिमंडल में वीरशैव-लिंगायत, एससी/एसटी और अल्पसंख्यक समुदायों के तीन और उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की मांग जोर पकड़ रही है। वर्तमान में, प्रभावशाली वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले शिवकुमार सिद्धारमैया कैबिनेट में केवल उपमुख्यमंत्री हैं। सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से पद छोड़ने और डिप्टी शिवकुमार के लिए आगे रास्ता खोलने का आग्रह किया था।

'NDRF जवानों को 40 प्रतिशत की दर से मिलेगा जोखिम और कठिनाई भत्ता', अमित शाह ने दी जानकारी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान के ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने पर्वतारोहण अभियान पर गई टीम की तारीफ की और कहा कि ऐसी गतिविधियां अधिकतर लोगों के लिए जुनून हैं और सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही ड्यूटी है। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाने की मांग की जा रही थी और अब सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है गृह मंत्री ने कहा मैं एनडीआरएफ को सफल पर्वतारोही अभियान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान बल और बल में शामिल जवानों की मजबूती को बढ़ाते हैं। साथ ही ये अभियान लक्ष्यों को हासिल करने और जीत की आदत बनाने में भी मदद करते हैं। इन्हीं आदतों से कोई भी बल महान बनता है। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाने की मांग की जा रही थी और अब सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। सरकार ने शुक्रवार को इसकी मंजूरी दी। गृह मंत्री ने कहा कि मैं एक

खुशखबरी देना चाहता हूं कि सरकार ने एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का फैसला किया है। यह एनडीआरएफ के 16 हजार जवानों के लिए खुशी की बात है। शाह ने कहा कि एनडीआरएफ न सिर्फ भारत का दुनिया का प्रमुख आपदा प्रबंधन बल है। उन्होंने कहा कि आज न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया में कहीं भी आपदा आती है तो लोग एनडीआरएफ की तरफ देखते हैं। कितनी भी मुश्किल परिस्थिति हो, लेकिन अगर एनडीआरएफ का जवान अपनी वर्दी में खड़ा है तो इससे मुश्किल में फंसे लोगों का हौसला कई गुना बढ़ जाता है।

दिल्ली के बाद गुजरात में बड़ा हादसा, भारी बारिश के चलते राजकोट एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर की छत ढही

एक के बाद एक भारी बारिश के चलते हादसे हो रहे हैं। दिल्ली और बिहार के बाद अब गुजरात का हवाई अड्डा हादसे का शिकार हो गया। यहां के राजकोट एयरकोर्ट के एक हिस्से की छत ढह गई है।गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर आज दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहां भारी बारिश के चलते राजकोट एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप और ड्रॉप एरिया में कैनोपी (छतरी) गिर गई। जुलाई 2023 में इसका लोकार्पण हुआ था। गनीमत रही की हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। वरना दिल्ली जैसा हादसा हो सकता था।नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, छत पर भरे पानी को बाहर निकालने के लिए रखरखाव कार्य के दौरान यह ढह गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। दिल्ली एयरपोर्ट पर कल हुआ था हादसा गौरतलब है, एक दिन पहले ही दिल्ली में भी ऐसा ही हादसा हुआ था। टर्मिनल-1 की छत गिरने से एक कैब ड्राइवर की जान चली गई थी। हादसे में छह लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा अचानक गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं। हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय जब कारों पर लोहे के बीम गिरे तो अफरातफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाते हुए नजर आए। वहीं, गुरुवार को जबलपुर एयरपोर्ट का भी शेड गिर गया था। इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि जबलपुर में 450 करोड़ से नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का शेड पहली ही बारिश में कार के ऊपर गिर

गया, जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। तीन महीने पहले ही टर्मिनल का मोदी जी ने लोकार्पण किया था। उन्होंने लिखा था कि मोदी जी की गारंटी बस तीन महीने ही टिक पाई। अचानक गिरा छज्जा अधिकारी की गाड़ी हुई क्षतिग्रस्त- मामला खमरिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का ऊपरी छज्जा अचानक गिर गया था। इस दौरान वह खड़ी एक अधिकारी की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। गनीमत रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई। नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं, इस मामले में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे इसकी जानकारी अभी नहीं है। मैं सुबह से ही लगातार बैठक में हूं। लेकिन इसकी पूरी जानकारी ली जाएगी। कोई ऐसी स्थिति बनी है तो दोबारा इसकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए दिशा-निर्देश दिया जाएगा। 10 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने किया था शुभारंभ- गौरतलब है कि 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबलपुर में 450 करोड़ की लागत से बने डुमना नवनिर्मित एयरपोर्ट और ग्वालियर एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया था। महज तीन महीने के एयरपोर्ट का छज्जा टूटना निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। गौरतलब है कि डुमना एयरपोर्ट की नई बिल्डिंग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण हुआ था। इसका वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन महीने पहले किया गया था। आयकर विभाग में किराए पर लगी गाड़ी क्रमांक एमपी-20 जेडसी-5496 सहायक आयुक्त को डुमना एयरपोर्ट में छोड़ने गई थी। ड्राइवर ने गाड़ी को गो एंड डॉप एरिया में खड़ी की थी। अधिकारी को छोड़ने के लिए सभी एयरपोर्ट के अंदर चले गए थे। पूर्वान्ह 11.30 बजे फेब्रिक शेड कार पर गिर गया, जिसके कारण कार का ऊपरी हिस्सा व कांच पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। एयरपोर्ट डायरेक्टर राजीव रत्न पांडे ने बताया कि सुंदरता के लिए गो एंड डॉप एरिया में फैब्रिक कैनोपी लगाई गई थी। बारिश के कारण कैनोपी में पानी भर गया था। पानी के वजन से फैब्रिक फट गया और पानी के फोर्स से नीचे खड़ी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जांच के निर्देश प्रोजेक्ट अधिकारी को दिए गए हैं। भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा घटित न हो, इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। सुबह तड़के हुआ हादसा- बता दें, सुबह करीब पांच बजे भारी बारिश के कारण आईजीआईए (घरेलू एयरपोर्ट) के टर्मिनल-1 के बाहर प्रस्थान द्वार संख्या 1 से लेकर द्वार संख्या 2 तक फैला शेड गिर गया था, जिससे करीब चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे और करीब छह लोग घायल हो गए थे। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

खरगे ने सोनिया गांधी के लेख को लेकर PM पर साधा निशाना, कहा- आम सहमति का उपदेश दे टकराव को भड़का रहे

खरगे ने कहा कि सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने आर्टिकल में लिखा है कि कि इस बात के जरा भी संकेत नहीं मिलते कि पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव 2024 के जनादेश को समझा है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में अपने आर्टिकल के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उनके इस आर्टिकल को साझा करते हुए राज्यसभा में

विपक्ष के नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार
द्वारा दिए गए संदेश पर विचार नहीं कर रहे हैं। खरगे ने आज
कि इस बात के जरा भी संकेत नहीं मिलते कि उन्होंने (पीएम
के संदेश पर गौर किया है। सोनिया गांधी द्वारा लिखा गए
उन्होंने अपने आर्टिकल में लिखा कि प्रधानमंत्री ऐसे व्यवहार
टकराव को महत्व देना जारी रखते हैं। इस बात के जरा भी
जनादेश को समझा है और लाखों मतदाताओं के संदेश पर
की 303 सीटों और 2014 में जीती गई 282 सीटों की
सीटों और 2014 में 44 सीटों की तुलना में 99 सीटें जीतीं।
नीट के मुद्दे को लेकर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि
किया है। हम नीट घोटाले पर 267 के नियम के तहत सदन
इसलिए लोगों की समस्या पर ध्यान आकर्षित करने के
चाहते थे। हम केवल छात्रों के मुद्दों को उठाना चाहते थे।
राज्य सभा के सभापति जी से मैं ये कहूँगा कि विपक्ष के प्रति
सभापति जी केवल सत्ता पक्ष की ओर देख रहे थे। मैंने

को पीएम पर आरोप लगाया कि वह हाल ही में हुए संसदीय चुनावों में मतदाताओं
सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी का कहना है
मोदी) लोकसभा चुनाव 2024 के जनादेश को समझा है और लाखों मतदाताओं
आर्टिकल का शीर्षक था, आम सहमति का उपदेश देना, टकराव को भड़काना।
कर रहे हैं मानो कुछ भी नहीं बदला है। वह आम सहमति का उपदेश देते हैं, लेकिन
संकेत नहीं मिलते कि उन्होंने (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) लोकसभा चुनाव 2024 के
गौर किया है। विशेष रूप से, 2024 के आम चुनावों में भाजपा की जीत 2019
तुलना में बहुत कम है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने मजबूत बढ़त दर्ज की, 2019 में 52
नीट में हुई धांधली को लेकर निकला गुस्सा- इससे पहले खरगे ने शुक्रवार को
सात वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं, करोड़ों युवाओं से मोदी सरकार ने विश्वासघात
में चर्चा कर के, इससे पीड़ित लाखों युवाओं की आवाज उठाना चाहते थे।
लिए, हमने एक विशेष चर्चा के लिए कहा। हम किसी को परेशान नहीं करना
लेकिन उन्होंने इसका मौका नहीं दिया, इस पर ध्यान ही नहीं दिया। उन्होंने कहा,
उनका आज का सौतेला व्यवहार भारतीय संसद के इतिहास में दागी हो गया है।
उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए 10 मिनट तक हाथ उठाया, खड़ा हुआ,

संसदीय गरिमा और नियमों का पालन किया, फिर भी उन्होंने सदन में विपक्ष के नेता की ओर नहीं देखा। जब नेता विपक्ष नियमानुसार उनका ध्यान आकर्षित करता है, तो उन्हें उसकी ओर देखना चाहिए, लेकिन इसके बजाय, उन्होंने मुझे अपमानित करने के लिए जानबूझकर मुझे नजरअंदाज कर दिया, मुझे या तो अंदर जाना होगा या बहुत जोर से चिल्लाना होगा। इसलिए मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि यह सभापति साहब की गलती है।

संपादकीय Editorial

President's economic focus

The President's address is a documentary statement of the Government of India. It is written by the government and read by the President, because the government is run in the name of the President. It is a beautiful tradition of the Republic that the President addresses the joint session of the Parliament. The meaning of the address is clear that it is a summary of the policies, schemes, programs and vision of the Central Government. President Draupadi Murmu has also followed the same dignified tradition. She praised those projects of the Modi government, which the country has often heard, but the opposition does not fully agree with. It considers them a whitewash or calls them false figures. For example, the data of people being brought out of poverty is questionable. The people of the country are also aware of those projects because they are the beneficiaries, but this time President Murmu's focus has been more on economic prosperity and continuity of reforms. The country's economic growth rate is close to 8 percent and India's average growth is the highest and fastest in the world. The government has resolved that India will soon become the third largest economy in the world. This means that even Japan and Germany will be behind India. The mention of the President is not new. The ruling party has often made such claims. There was a flood of such data during the general elections, but the Modi government has got this disclosure done through the President, so it should be considered credible. President Murmu has also laid down a format for the full budget of the 18th Lok Sabha that it will be according to the aspirations and needs of the people of India. The budget that will be presented in the July session of Parliament will be truly democratic. Along with far-reaching policies and vision for the future, historic steps will also be taken. Of course, the President could not disclose those steps either, because the budget was required to be confidential. It is worth mentioning that the Modi government, through the courtesy of the President, made this principle clear that the development of the country depends on the development of its states, because only then can the overall development of a nation be assessed and a national picture emerges. There should be competition as well as a sense of cooperation in this development, this is the true federalism of India. The President mentioned some sectors which are considered like 'sunrise'. For example-electric vehicles, semiconductors, green hydrogen, batteries etc. These sectors are also being encouraged. These are symbols of India's growing economy and progress. The President also mentioned climate change, which is an equal challenge and the government is continuously active in that context. This is also a global challenge, which is no less than a pandemic. President Murmu's focus was on women empowerment and she praised the entire infrastructure of the country. The roads, bridges, highways, expressways etc. that are being built, rail and air travel have been expanded, they are more or less considered the 'hallmark' of the Modi government. It is also a noteworthy fact that India will undoubtedly be the third superpower of the world, India's economy will be after America and China, but India will also be the poorest country among all the big economies of the world. This battle is still very long. Economic inequalities are quite widespread in India. Actually, the litmus test for the Modi government is to strengthen the foundation of all the pillars of development. This includes agriculture, manufacturing and service sectors. It should create employment on a large scale in all sectors, so that crores of unemployed people can be given suitable work. This also increases economic development.

Adulteration: Companies are responsible for adulteration of food items, do not blame farmers

Incidents of adulteration of food items are not good for the country's reputation, but the farmers are not responsible for this, but the companies. Food or diet is considered a basic necessity for the sustenance, development and growth of a person. Recently, under the campaign launched by the Health Department of Rajasthan against adulteration of food items, many major spice brands failed the quality tests, in which samples of reputed companies like MDH, Everest, Gajanand, Shyam and Sheeba Taza were found unfit for consumption. Pesticide residues and other harmful chemicals have been found in them. This is not the first incident, incidents of adulteration have been found before this as well. Such incidents highlight serious concerns about food safety and quality, which have a negative impact on the health of consumers and India's reputation in global trade. Farmers are now being held responsible for such a problem, as they use chemicals on a large scale to protect their crops and increase production. But it is unfair to blame the farmers. This is a complex and multi-faceted problem in which farmers have little say. Many small and marginal farmers lack information about modern agricultural practices and safe chemicals. Lack of knowledge and awareness forces them to unwittingly use harmful chemicals. Farmers under severe economic pressure are forced to use chemicals that give faster results for maximum production. Due to lack of adequate monitoring and enforcement, harmful and banned chemicals are easily available in the market. Farmers are often not informed about the safety and legal status of these chemicals. There is undoubtedly a need for reform in the agriculture sector today, in which government policies and structural changes can contribute significantly. Policy support, financial assistance and proper market access are necessary to encourage farmers towards safe agricultural practices. Without this, blaming the farmers cannot be considered a step towards the solution. The lack of a strong traceability system creates scope for adulteration, contamination and unethical practices in the food supply chain. High levels of pesticide residues in vegetables and fruits, presence of harmful chemicals in milk products and adulteration of spices highlight the gravity of the situation. However, to address these concerns, the amendment to the Food Safety and Standards Rules, 2011, has mandated traceability and emphasized the ability to track the origin and movement of food in the supply chain. If implemented effectively, every stakeholder will be held accountable and this system will prevent adulteration practices and enhance India's credibility in the international market. However, despite the potential benefits, the 2011 amendment has remained largely unimplemented, due to reasons including lack of infrastructure, logistical challenges and the need to integrate small and marginal farmers into the digital system. Indian agricultural exports are rejected due to concerns about food safety standards. This can lead to lower prices for farmers and loss of export opportunities. It weakens India's image as a reliable producer and exporter. A multi-pronged approach is needed to address this problem. It is important to provide support and resources to farmers so that they can ensure food safety and quality by adopting safe and sustainable agricultural practices. The government needs to prioritise investments in infrastructure and capacity building. Consumers must be empowered to demand safe food.

How to develop a culture of sustainable development?

The tradition of nature is complete in itself; it is a spontaneous system. The organisms which seem completely useless and harmful to us are important links in the food chain and they play a major role in the conservation of the environment. For example, insects harm crops by eating the stems and leaves of plants. These insects become food for birds and protect the crops from birds, and birds protect the crops from insects by eating these insects. The continuous crisis of the environment is the biggest threat today. Pollution has taken the form of a global problem today. The black poisonous smoke coming out of factories is polluting the air. Solid poisonous wastes are the biggest cause of water pollution. The blind race of modernity is causing rapid cutting of trees. In the lifestyle of urban life, refrigerators, ACs and lakhs of vehicles are heating the atmosphere all the time. As a result, the environment and nature are getting destroyed. Due to which new diseases are being created. Humans are suffering the same loss due to the reaction of nature. As fast as we are exploiting nature, that is, we are harming the environment, the time has come to conduct activities that nourish nature with the same alertness and sensitivity. The tradition of nature is complete in itself; it is a spontaneous system. The living beings that seem completely useless and harmful to us are important links in the food chain and they play a major role in the protection of the environment. For example, insects harm crops by eating the stems and leaves of plants, these protect the crops from birds by becoming food for birds and birds protect the crops from insects by eating these insects. In the absence of these insects, birds can cause relatively more damage to the crops. Similarly, green trees take in carbon dioxide and release oxygen in the process of photosynthesis. This is a continuous process of environmental purification. While oxygen is necessary for all living beings to breathe, the carbon dioxide emitted by living beings is the food for the entire plant world. Cutting down trees hinders this natural process the most. It breaks this chain. As a result, the intensity of natural disasters like floods, drought, increasing imbalance of rainfall, hailstorms, earthquakes is increasing. Diseases are increasing due to various types of pollution. To protect the environment, it is necessary that we do not disrupt the natural food chains. For environmental protection, include such habits in your daily activities which can improve the earth's environment. It is a great need of today to make people understand the importance of tree plantation, wildlife conservation and biodiversity along with cleanliness. Since trees are the first link in the food chain, trees are of primary importance in environmental protection. The way the environment is getting polluted, the emission of greenhouse gases is increasing, glaciers are melting, developed countries are spreading pollution, trees are being cut indiscriminately in the guise of pseudo needs. The result of this is that the temperature of the earth is increasing due to global warming. Which is inviting most of the dangers. Gandhi says that the earth can fulfill our needs, not the grid. There is enough in nature for our needs but not for greed. Therefore, exploit natural resources according to need, do not exploit them. The dishonesty we have done is not only shameful but also extremely condemnable. What was, cannot be now, nor is it possible. Because we have come a long way in the race of development. Still, the solution to this crisis will have to be found in the increasing consumerism that has deepened it. For this, the development of an alternative lifestyle is the only way. We will have to change our way of living. If you waste ten buckets of water, reduce it to five! If you have three vehicles in the house, manage with one! Plant trees like banyan, peepal and neem around you, not palm trees! Stop polluting rivers/drains in the name of religious rituals! As soon as you get a holiday, reduce your trips to the mountains. Give importance to meeting your close relatives, friends and family members. Friends, when the danger is so big, then many alternatives can also be found! Start from anywhere. This is not just a sermon, but there are living examples of many societies in front of us who have changed the direction of their lives and have worked to save the environment by adopting a nature-inspired life model! All such environmental efforts going on in the world have to be saved and a new lifestyle has to be created! Some human tendencies such as greed, avarice and miserliness are against the interests of home, family, society and nature conservation. Whether it is in terms of saving the environment or saving money. However, most people are unaware of how they can have a positive impact on nature by making important changes in their daily lives. Your small effort towards environmental concern will help in making the world better. By making some necessary and permanent changes with simple changes and awareness, you can do a great favor to the environment through your day-to-day activities. Everyone has to develop the most sustainable life thoughts in their daily lives. Which will help in living an environmentally friendly life. Only then can the earth be saved. Before developing an eco-friendly lifestyle, it is important to understand the interactions between nature and human existence. For example, it is important to think about what is in our minds about the environment in our daily lives. How much understanding is there in the culture of the society we live in, in relation to nature. How much is the maintenance of the environment included in our daily routine? How sensitive are our daily life activities towards the living world of the earth family? Are we eager or greedy for the conservation and saving of things? How many practices in our lives develop a green mindset that gives priority to the interest of the environment? How much faith do we have in interdependence and collectivism rather than self-reliance/individualism? How much do we like a lifestyle that maintains a connection between life and the environment? Where will we get education that increases the curiosity to live an environment-friendly life? How is the significance of nature being invoked in religion, caste, culture, politics and even economy? These are all the questions whose solutions can be found by moving towards finding ways of an eco-friendly life style. We need to look at our daily life and the environmental crisis in a holistic way and make meaningful improvements in our lifestyle. The products that we consume from getting up in the morning to going to bed at night are a long list of chemicals that are the gift of modern lifestyle. These have a direct relationship with the environment. From their production to use and disposal, the environment is constantly being degraded. We can compensate for this by contributing to the nourishment of nature and the service of this earth through small initiatives. Take some precautions. Like keep a recycling system in your home. Very few people pay attention to reducing waste and reusing natural resources at home, like maintaining a compost heap or using rain barrels or other catchments for water. How many people are there who are able to grow the vegetables they need at home? People consider it wise to go by car even to places that are very close to walk. Mountains have become a place of fun and excursion for us. People are stuck in a half-hearted display of life by spending their hobby and leisure time on the hills. They do not focus on protecting the environment in their daily lives, but photography of natural scenes and selfies make them momentary admirers.

शॉर्ट सर्किट से स्टेशनरी की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

मुरादाबाद। सदर कोतवाली इलाके के बाजार गंज में भाटिया स्टेशनरी की दुकान में रात एसी की वायर में शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। आग ने दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान से आग की लपटे देख पड़ोसियों ने दुकान मालिक और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने घटना स्थल पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान में रखा आधे से ज्यादा माल जलकर राख हो गया।दुकान स्वामी विजय भाटिया पुत्र लक्ष्मण भाटिया ने बताया उनकी गंज बाजार में बीते 60 साल से स्टेशनरी की दुकान है। शुक्रवार रात 9 बजे के समय वह अपनी दुकान बंद कर घर जिगर कॉलोनी चले गए थे। रात 12.30 के समय अचानक एसी की वायर में शॉर्ट सर्किट होने के चलते दुकान में आग लग गई। आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना स्थानीय पुलिस के द्वारा दी। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की भीतर आग पर पूरी तरह काबू पाया। दुकान स्वामी विजय भाटिया का कहना है दुकान में रखा 70त्न माल जलकर खाक हो गया है।

कांग्रेस ने मॉब लिंचिंग की घटनाओं के विरोध में किया प्रदर्शन, कहा-मृतकों के परिजनों को नौकरी मिले

मुरादाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ गई है। इस घटना के पीड़ितों को मुआवजा मिलना चाहिए।कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल ने देश में हो रही मॉब लिंचिंग के खिलाफ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आने के बाद मॉब लिंचिंग की घटनाएं बढ़ गई हैं। कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक के आह्वान पर जिला चेयरमैन अफजल साबरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। जिला चेयरमैन ने आरोप लगाया कि जब से भाजपा की केंद्र में सरकार आई है, तभी से अल्पसंख्यकों के साथ मॉब लिंचिंग की एक प्रथा स्थापित हो गई है।भाजपा की राज्य सरकारों में यह प्रथा बढ़ी है। अपराध के लिए कानून में सजा निर्धारित है।

किसी भी मनुष्य को सड़क पर सजा देने का अधिकार नहीं है। सात जून को रायपुर-महासमुंद सीमा पर यूपी के सहारनपुर निवासी सद्दाम कुरैशी (23), उसके चचेरे भाई गुड्डू खान (35) और चांद मिया खान (23) मवेशी लेकर जा रहे थे। इसी दौरान आरंग में महानदी के पुल पर रोक लिया गया। भीड़ ने तीनों पर हमला कर दिया। तीनों पुल के नीचे पड़े मिले थे। इनमें दो की उसी दिन मौत हो गई, जबकि जीवित बचे सद्दाम ने 18 जून को दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद मॉब लिंचिंग में शामिल अधिकतर आरोपी आजाद घूम रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार के संरक्षण में कानून व्यवस्था पर हमला है। इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसीएम को सौंपा। इस दौरान कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष इरशाद हुसैन ने घटना में शामिल सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने, एसपी और डीएम को तत्काल निलंबित करने, मृतकों के परिजनों को नौकरी और मुआवजा देने की मांग की है। वक्ताओं ने कहा कि मॉब लिंचिंग के मामले में सख्त कानून बनाया जाना चाहिए। प्रदर्शन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद, अनूप दूबे, मंगलसेन, तबस्सुम खान, मोहम्मद जुनेद पार्षद, नदीम अंसारी पार्षद, परबेज पार्षद, राईस सैफी, कामिल मंसूरी, अकरम अंसारी, अरशद अंसारी, राजेंद्र वाल्मीकि, मोहतसिम मुख्तार, मोहम्मद नाजिम आदि शामिल थे।

पुलिस का खुफिया तंत्र फेल, दो दिन बाद भी आरोपियों का नहीं लगा सुराग

मुरादाबाद। मूंढापांडे थाना क्षेत्र में परिवार पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वाले आरोपियों की तलाश में जांच एजेंसियों के साथ पुलिस की पांच टीमें जुटी हैं। पुलिस का खुफिया तंत्र फेल हो गया है। घटना के दो दिन बाद भी पुलिस आरोपियों का कोई सुराग तक नहीं लगा सकी। वहीं चार्ज संभालते ही एसएसपी ने सख्त कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। थाना क्षेत्र के शमदी शिवपुरी में बुधवार को हुई फायरिंग की घटना से शहर की कानून व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। अब सवाल उठ रहे हैं कि घटना की सूचना मिलने के बाद भी पुलिसकर्मी कहां थे? खुफिया तंत्र को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? एक फोन कॉल पर चंद मिनटों में पहुंचने का दावा करने वाले पुलिस की क्विक रिस्पांस टीमें कहां थी? ताज्जुब तो ये है कि बेखौफ आरोपी 15 मिनट तक परिवार पर गोलियां बरसाते रहे और पुलिसकर्मी सूचना के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे।घटना में बाकी तंत्र कैसे बेखबर रहा? घटना के दो दिन बाद भी पुलिस आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा सकी। ऐसे में शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार को चार्ज संभालते ही एसएसपी सतपाल अंतिल ने आरोपियों पर 25 हजार का इनाम घोषित करने के साथ पांच टीमें गठित की हैं। पुलिस ने पीड़ित का दर्द सुना होता तो नहीं होती घटना- गोलीबारी की घटना पुलिस की लापरवाही का नतीजा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी और उसके परिवार के लोग लगातार उन्हें धमकियां दे रहे थे। इस मामले की शिकायत कई बार पुलिस से की थी लेकिन, पुलिस ने कभी इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। 16 अप्रैल से महिला अपने पिता के घर रह रही थी। कई बार आरोपी को जंगल में देखा गया था। महिला के पिता ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की थी। लेकिन, न तो बहजोई थाने की पुलिस ने सुनी और न ही मूंढापांडे थाने की पुलिस ने गंभीरता दिखाई। महिला ने खौफ से जंगल जाना भी बंद कर दिया था। वह घर में ही रहती थी।

मूंढापांडे गोलीकांड: वारदात की गूंज लखनऊ पहुंची तो घर ढहाने पहुंचे बुलडोजर, आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित

मूंढापांडे में दो बहनों को अगवा और परिजनों पर फायरिंग की गूंज लखनऊ तक पहुंची। इसके तुरंत बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलवाने की कार्रवाई की। पता चला है कि आरोपियों ने 15 साल पहले सरकारी जमीन पर कब्जा कर मकान बनवाया था। मुख्य आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है। अपहरण और गोलीकांड के आरोपी मुस्लिम और उसके परिवार के लोगों ने 15 साल पहले ग्राम समाज की भूमिका पर कब्जा कर मकान का निर्माण करा लिया था। इसके बाद से आरोपी इन मकानों में रहते थे, लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं थी के मकान जमींदोज कर दिए गए। 25 हजार सुलेमान और आले हसन 15 साल पहले तक बाद तीनों ने गांव के बाहर जंगल में ग्राम भाइयों ने यहीं मकान बनवा लिए और रहने किसी ने विरोध भी नहीं किया। पीड़ित परिवार हैं। बहजोई थाने में दर्ज केस में आरोपी हैं। घर में ही आकर सो जाते थे। पीड़ित परिवार ने इस मामले को गंभीरता नहीं लिया था। बुधवार रात घटना को लेकर शासन से इसके बाद पुलिस के अलावा प्रशासन अलर्ट मकान बने हैं, उस जमीन की पैमाइश की। थे। तब पता चला कि जमीन ग्राम समाज टीम ने बुलडोजर बुलवाकर तीनों मकानों बताया कि उसके बेटे की हालत गंभीर है। स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया भर्ती हैं। तीनों का उपचार चल रहा है। युवती

लखनऊ तक घटना की गूंज पहुंची तो आरोपियों के मुख्य आरोपी मुस्लिम के पिता नन्हें, चाचा गांव के बीचों बीच बने मकानों में रहते थे। इसके समाज की जमीन पर कब्जा कर लिया था। तीनों लगे थे। आरोपियों का गांव में दबदबा है। इसलिए का कहना है कि आरोपियों के घर गांव से बाहर फरार होने के बावजूद सभी आरोपी रात में आने ने पुलिस से शिकायत भी की थी, लेकिन पुलिस गांव के अन्य लोग कुछ बोलने को तैयार नहीं थे। पूछताछ की तो अफसर भी हरकत में आ गए। हो गया। राजस्व विभाग की टीम ने, जहां तीनों जिस पर आरोपियों ने 15 साल पहले मकान बनाए की है। पुलिस अफसरों और राजस्व विभाग की को ढहा दिया। भाई की हालत गंभीर-फर्म कर्मी ने उसे टीएमयू से रेफर कर दिया गया है। उसे नोएडा है, जबकि फर्म कर्मी और उसकी पत्नी मेरठ में के पिता और भाई फर्म में नौकरी करते हैं, जबकि आरोपी पक्ष ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता है। इसलिए तीनों परिवार अक्सर बाहर ही रहते हैं। दिन में मकान बंद और रात में रहते थे परिजन - बहजोई थाने में केस दर्ज होने के बाद मुस्लिम और उसके दोनों चाचा के मकान बंद पड़े थे। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि रात में अक्सर इन घरों में लोगों की मौजूदगी रहती थी। सुबह फिर से घरों में ताले लग जाते थे। गोलीकांड से एक दिन पहले ही आरोपी के घर में चोरी की घटना भी हुई थी। आस पड़ोस के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। टीम ने दोबारा बुलाया बुलडोजर - शुक्रवार दोपहर दो बजे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी बुलडोजर लेकर गांव पहुंचे थे। उन्होंने पहले बाउंड्री और मकान का कुछ हिस्सा गिराया था। इसके बाद कार्रवाई बंद कर दी गई थी, लेकिन कुछ देर के बाद टीमें दोबारा बुलडोजर लेकर पहुंची और मुख्य आरोपी मुस्लिम, उसके चाचा सुलेमान व आले हसन के मकान ढहा दिए। यह थी घटना- बुधवार की रात युवती, उसकी बड़ी बहन और मां-बाप पन्नी के नीचे सो रहे थे। मुस्लिम और अन्य आरोपी घर में घुस गए और बड़ी बहन को अगवा कर ले जाने लगे। युवती के शोर मचाने पर परिवार के लोग जाग गए थे। विरोध करने पर आरोपी ने युवती के भाई के सीने, मां के पैर और पिता के हाथ में गोली मार दी थी। इसके बाद आरोपी भाग गए थे। ये घटना केवल पीड़ित के खिलाफ नहीं यह स्टेट के खिलाफ है। इस मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों ने ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कराया था। टीम ने मकान ढहाने की कार्रवाई की है। -? सतपाल अंतिल, एसएसपी

संक्षिप्त समाचार

कंप्यूटर सेंटर के पास युवकों ने की फायरिंग, दो गिरफ्तार

मुरादाबाद। कंप्यूटर सेंटर पर चार युवकों ने फायरिंग की। हालांकि इसमें किसी को चोट नहीं लगी है। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। छजलैट में कई कंप्यूटर सेंटर एवं कोचिंग सेंटर संचालित हैं। जहां युवक युवतियां सरकारी नौकरियों की तैयारी करते हैं। अमरोहा देहात के गांव कैलसा निवासी रोहन कुमार पुत्र महेश सिंह, नवनीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह व दीपक पुत्र सोनू चौधरी निवासी गांव अलीपुरा खालसा, एक अज्ञात युवक एक कंप्यूटर सेंटर में शुक्रवार सुबह 10~30 बजे आए। गौरव नाम के अज्ञात युवक को पूछने लगे, जो शुक्रवार को कोचिंग सेंटर पर नहीं आया था। किसी बात को लेकर कोचिंग सेंटर के पास खड़े लोगों से उनकी कहासुनी हो गई। इनमें से एक युवक ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया। गांव भीकनपुर निवासी विश्वजीत, गौरव और गांव सदरपुर निवासी आरिफ ने इस संबंध में थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि हमारी दुकान घटनास्थल के पास है। तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने गांव कैलसा निवासी रोहन व नवनीत को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से एक तमंचा, कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस क्षेत्राधिकार कुलदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि कंप्यूटर सेंटर में किसी मामले को लेकर यह घटना हुई है। घटना की विवेचना की जा रही है। अन्य आरोपी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

अमेरिका में बढ़ी महंगाई, महानगर के निर्यातकों में छाई मायूसी

मुरादाबाद। अमेरिका में महंगाई बढ़ने से महानगर के निर्यातकों में मायूसी छाई हुई है। महंगाई के कारण विदेशी ग्राहक कोई हस्तशिल्प का सामान नहीं खरीद रहे। वहीं इजराइल-हमास और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण निर्यात की कमर पहले ही टूटी हुई है।महानगर के निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका में आई अत्यधिक महंगाई के कारण ग्राहक किसी भी तरह के हैंडीक्राफ्ट आइटम और अन्य धातु से बने उत्पादों को खरीदने में कोई भी रुचि नहीं ले रहे हैं। वहीं युद्ध के कारण कंटेनरों के रेट भी बढ़ गए हैं।

निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका 80 प्रतिशत माल आयात करता है। लेकिन, महंगाई के कारण अमेरिकी ग्राहकों ने आर्डर रोक दिए हैं। वहीं फोकस स्कीम के बदले सरकार ने रोडटेप स्कीम को शुरू किया, जिससे मिलने वाले न के बराबर है। निर्यातकों का कहना है कि चीन के बाजार को पीछे छोड़ने के लिए सरकार को निर्यातकों के साथ खड़ा होना होगा। महंगाई के साथ अब अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव व कंटेनरों के बढ़ते दाम इस बात के सबूत हैं कि निर्यातक आर्थिक मंदी में बुरी तरह घिर चुके हैं। मंदी के कारण कारीगर, दस्तकार आर्टिजन और फैक्टरियों में काम करने वाले लाखों मजदूरों पर बेरोजगारी का खतरा मंडराएगा। -नवेद खान, निर्यातक अमेरिका की महंगाई के कारण कंटेनरों के रेट काफी बढ़ गए है। रेट बढ़ने से विदेशी ग्राहकों ने आर्डर होल्ड कर दिए हैं। जंग से भी महानगर के ज्यादातर निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ है। दूसरी बात माल काफी देरी से पहुंच रहा है। जिससे काफी नुकसान हो रहा है। -नवेदउर्रहमान, अध्यक्ष, मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्ट्र्स एसोसिएशन

निर्यातकों का 80 प्रतिशत काम अमेरिका से होता है। लेकिन, इस समय वह काम नहीं है। कंटेनरों के दाम तीन गुना तक बढ़ गए हैं। पिछले तीन महीने में रॉ मेटेरियल की कीमत 15 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। जिसके कारण निर्यातकों पर सभी तरफ से मार पड़ रही है। उसके बाद भी सरकारी मदद शून्य है।-अवधेश अग्रवाल, महासचिव, मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्ट्र्स एसोसिएशन

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मोदी सरकार में शिक्षा माफ़ियाओं के बढ़ते लालच और भ्रष्टाचार से छात्रों का भविष्य दांव पर लगा – ज्ञान सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी – जिला कांग्रेस मुख्यालय जवाहर भवन के सभागार में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने सम्मानित पत्रकार साथियो से चर्चा करते हुए कहा प्रदेश में सरकार की सह पर शिक्षा माफियाओं द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ किये जा रहे खिलवाड़ और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रहे घोटालों,प्रदेश मे हुये नर्सिंग घोटाले और पेपर लीक घोटालों के विरोध में प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरने के लिए 1 जुलाई को जिला कांग्रेस कमेटी का कलेक्टर परिसर के सामने वीथिका भवन में धरना – प्रदर्शन और शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया जाएगा एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौपा जाएगा। आगे श्री सिंह ने कहा पूरे देश में शैक्षणिक अनुशासन, शैक्षणिक परिसर की संस्कृति और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता पूरी तरह समाप्त हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होना, व्यवसायिक परीक्षाओं के पेपर लीक होना इस सरकार में आम बात हो गई है। नीट की परीक्षा में जिस तरह से पेपर लीक हुआ, 24 लाख बच्चों का भविष्य अंधेरे में धकेला गया, यह योग्य प्रतिभाओं का सामूहिक संहार है, इसे माफ नहीं किया जा सकता है। श्री सिंह ने कहा कि मोदी सरकार में शिक्षा माफ़ियाओं के बढ़ते लालच और भ्रष्टाचार से छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है। ये सरकार पेपर लीक रोकने में पूरी

तरह से विफल साबित हुई है। मप्र बौद्धिक हत्याओं के मामले में देश की राजधानी बन गया है। शिवराज सरकार में व्यापम सहित कई अन्य भर्ती घोटाले और पेपर लीक का कलंक प्रदेश पर लगा है, जो बढ़ता-बढ़ता देशव्यापी हो चुका है और यह सरकार के संरक्षण के बिना संभव नहीं है। अन्यथा मोदी सरकार पेपर लीक के मामलों को रोकने में आज इस प्रकार विफल नहीं होती। ज्ञान सिंह ने कहा कि बार-बार हर बार लगातार युवाओं भविष्य के कत्ल की खबरे आ रही है। देश के आमजन के परिवार के बच्चों को न्याय मिलेगा कि नहीं देश में प्रश्न खड़ा होता जा रहा है। ये बौद्धिक हत्यायें यदि कहीं सबसे पहले चालू हुई तो मध्यप्रदेश से हुई। शिवराज सरकार ने देश के भविष्य और बेटी-बेटियों के भविष्य को रौंदा हैं, यह वह प्रदेश हैं जिसमें व्यापमं घोटाला, पुलिस हवलदार, नर्सिंग घोटाला, डेयरी अधिकारियों, सूबेदार उपनिरीक्षक भर्ती में घपले हुये, वन रक्षक, आरटीओ विभाग में भर्ती में घपले हुये। पटवारी भर्ती घोटाला, प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाला भी यहीं का है। इस सरकार ने प्रदेश को घोटालों की नर्सरी बना दिया। भाजपा राज में सरकार घपलेवाजों, घोटालेवालों को संरक्षित करती है। लगातार भर्ती घोटाला चल रहा है। अध्यक्ष जी ने कहा कि नीट की परीक्षा को रद्द कर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। दिनांक 29 जून 2024 को दोपहर 1बजे जवाहर कांग्रेस भवन में जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता 1 जुलाई को धरना प्रदर्शन को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियो की बैठक आहूत हुई कार्यक्रम का सफल मंच संचालन दिनेश पाठक ने किया और उक्त कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज सिंह ने दी। इनकी उपस्थिति रही वरिष्ठ नेता राजेंद्र भदौरिया,अम्बिकेश पाण्डेय,आनंद दुर सिंह,विक्रम सिंह,कमलेश्वर सिंह,जय सिंह अशोक कोरी,दद्दी साकेत,हरिहर सोनी,विनोद विश्वकर्मा,गोविंद गुप्ता,अखंड सिंह,सुनील चौधरी,सानेन्द्र सिंह,रामप्रताप सिंह,मंगल सिंह,रजनीश श्रीवस्ताव,दया वर्मा,सतेंद्र सिंह,ओमकार सिंह करचूली,शिलारानी साकेत,गौरी साकेत,रेखा सोनी,उदयभान पनिका,रामकुमार सिंह,विकाश साहू,अखिलेश सिंह,गणेश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

पुलिस कप्तान ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में आहूत की मासिक अपराध गोष्ठी, विगत माह के कार्यवाहियों की समीक्षा कर आगे के लिये बनाई कार्ययोजना

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी – 01 जुलाई से लागू होने वाले नवीन कानूनो का पाठ पढ़ाकर पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जन जागरूकता रथ को किये रवाना।। नए कानून का दिल से करें स्वागत और पीढ़ित के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार रखते हुए करें कार्यवाही- एसपी सीधी पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति जानने विगत माह की कार्यवाहियों का जायजा लेने के लिये पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जेल अधीक्षक जिला जेल सीधी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी श्री अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) श्रीमती गायत्री तिवारी, एसडीओपी चुरहट एवं प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) आशुतोष द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुसमी सुश्री रोशनी सिंह ठाकुर एवं समस्त थाना एवं चौकी के प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। बैठक के प्रारंभ में पुलिस अधीक्षक द्वारा 01 जुलाई से लागू होने वाले नवीन कानून बीएनएस/बीएनएसएस (भारतीय न्याय संहिता 2023 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023) के क्रियान्वयन के संबंध में सबको निर्देशित कर थानो में नवीन कानून एवं पुराने कानून के समीक्षात्मक पोस्टर लगाने एवं आम नागरिको को इससे परिचित करवाने हेतु निर्देशित किया जाकर सामान्य निर्देश दिये गये साथ ही मीटिंग में उपस्थित जेल अधीक्षक जिला जेल सीधी द्वारा नवीन कानूनों के संबंध में बताया गया तत्पश्च्यात अपराधों का तुलनात्मक थानावार अवलोकन किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये जाकर पूर्व के लंबित अपराधों का तथा वर्तमान में पंजीबद्ध हो रहे अपराधों का त्वरित निराकरण कर अपराध निकाल हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही निम्न बिंदुओं पर विशेष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। मानसून का आगमन हो चुका क्षेत्र में जमीन संबंधी विवाद की शिकायते आने की संभावना है। अगर जमीन संबंधी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित राजस्व अधिकारी से समन्वय स्थापित कर शिकायतो का निराकरण करें। अगर क्षेत्र में कोई शांति व्यवस्था में विघ्न पैदा करता है तो उसके विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। महिला संबंधी शिकायत एवं अपराधों में प्रभावी वैधानिक कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन में अभी तक हम उत्कृष्टतम स्थान पर रहे है इसलिये सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये उनका संतुष्टि पूर्वक निराकरण करे। महिला एवं बच्चों के विरुद्ध घटित अपराधों को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों पर कठोर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। क्षेत्र में चोरी एवं गृहभेदन की शिकायते नही आनी चाहिये इसके लिये सतत क्षेत्र का भ्रमण करते रहे एवं पूर्व से पंजीबंद्ध चोरी के अपराधों में जेल से रिहा चोरी के आरोपियों की पता तलाश कर चोरी की गई संपत्ति का शत प्रतिशत वापस करवाने का प्रयास करें। जिले के किसी भी थाना क्षेत्र में किसी प्रकार के अवैध मादक पदार्थ का भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय न हो इसका विशेष ध्यान रखे, साथ ही अधिकतम अपराधों का निराकरण कर जल्द से जल्द पीड़ित को न्याय दिलाये, आमजन द्वारा की गई शिकायत की जल्द से जल्द जांच कर उचित वैधानिक कार्यवाही कर शिकायतकर्ता को न्याय दिलवाये।

गंभीर एवं चिन्हित मामलों में त्वरित एवं प्रभावी विवेचना करें। खनिज का अवैध खनन एवं परिवहन करने वाले आरोपियों पर कठोर वैधानिक कार्यवाही कर प्रयुक्त वाहनों के राजसात की कार्यवाही करवाएं। गंभीर एवं चिन्हित मामलों में थाना प्रभारी स्वयं रूचि लेकर त्वरित एवं प्रभावी विवेचना कर पीड़ित को न्याय दिलाने का प्रयास करें। गोष्ठी के अंत में पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव व समस्त राजपंत्रित अधिकारी के उपस्थिती में नवीन कानूनों कें प्रचार प्रसार एवं आम जनता को नवीन कानून के प्रति जागरूक करने हेतु जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। शनिवार को बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित स्कूलों में विशेष समर कैंप लगाए गए। अधिकारियों, शिक्षकों, बच्चों सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने की बेहतरीन कोशिश की।बच्चे भी खासे खुश दिखे। खण्ड शिक्षा अधिकारी अवनीश प्रताप सिंह ने कम्पोजिट विद्यालय परसौना स्कूल प्रांगण में पौधारोपण किया।

पर्ची में अश्लील बातें लिख महिला के घर में फेंक रहा, दे रहा धमकी; पीड़िता ने पुलिस से लगाई मदद की गुहार

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में युवक से पीड़ित महिला थाने पहुंची। उसने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला का है। यहां की रहने वाली महिला ने बताया कि पति फल व सब्जियों की ठेल लगाकर गुजर बसर करते हैं। लॉकडाउन के समय पति ने पड़ोसी को ठेल लगाने के लिए पांच हजार रुपये दिए थे। आरोपी युवक पर्ची में अश्लील बातें लिख महिला के घर में फेंक रहा है। विरोध पर धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। बताया कि जब रुपये वापस मांगे तो आरोपी व उसके परिजन रंजिश मान बैठे। आरोपी कभी ठेल का टायर फाड़ देते तो कभी आग लगा देते। कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई और कार्रवाई नहीं हुई। इस दौरान आरोपियों ने उनके दरवाजे पर अश्लील बातें लिखे पर्चे चिपकाए और पर्चे घर में फेंके।18 जून को आरोपी ने उनके पुत्र के नाम से एक युवती के लिए प्रेम पत्र लिख कर उसके घर में फेंक दिया। जानकारी होने के बाद वह आरोपी के घर शिकायत करने गईं तो आरोपियों ने उन्हें व पुत्र को पीटकर घायल कर दिया। इसकी शिकायत पुलिस से भी की, लेकिन इस बार भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दोपहर को प्रेमी के साथ बिस्तर पर थी पत्नी, अचानक आ गया पति... हरकत देख सिर पर सवार हुआ खून; फिर जो हुआ

मसवासी में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पति ने पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद युवक की जमकर धुनाई कर दी। गुस्साए पति ने पत्नी को सरेआम तीन तलाक दे दिया। मामला बिगड़ता देख मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पति ने पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद प्रेमी की जमकर धुनाई कर दी। पुलिस युवक को चौकी ले गई। इस बीच पत्नी की करतूत से गुस्साए पति ने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। चौकी में दोनों पक्ष के लोग मसले का हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं।यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। उत्तराखंड के जिला ऊधमसिंह नगर की नगर पंचायत केलाखेड़ा की युवती का 11 साल पहले मसवासी चौकी क्षेत्र के युवक से निकाह हुआ था। दंपती के नौ साल का एक बेटा है जो फिलहाल अपनी ननिहाल गया हुआ है।बताते हैं कि लगभग दो साल पूर्व विवाहिता का नगर के एक मोहल्ला निवासी युवक से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। दोनों का आपस में मिलना-झुलना शुरू हो गया। पति किसान है और वह खेत पर काम करने जाता। चर्चा है कि उसकी गैर मौजूदगी में विवाहिता से मिलने के लिए उसका प्रेमी अकसर घर आने लगा। आसपास के लोग दबी जुबान में चर्चा भी करने लगे लेकिन किसी ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। इधर, पति भी अंजान रहा, लेकिन शनिवार के दिन विवाहिता के प्रेम संबंधों से पर्दा उठ ही गया। शनिवार की सुबह पति रोजमर्रा की तरह घर से काम करने गया तो मौका पाकर प्रेमी उसके घर पहुंच गया। प्रेमी युगल कमरे में अकेले रंगरंलियां मना रहे थे। इस बीच विवाहिता का पति घर आ गया। उसने कमरे में पत्नी को गैर मर्द के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा तो सन्न रह गया। उसने युवक को पकड़ लिया जमकर धुनाई शुरू कर दी। शोर शराबा और हंगामा सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। गुस्साए पति ने सबके सामने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। घटना की सूचना पर पहुंची चौकी पुलिस ने प्रेमी युवक को हिरासत में ले लिया और चौकी ले आई। इसके बाद दंपती के परिजन भी चौकी आ गए।

एक माह पहले मर चुके शख्स को बनाया गवाह, दरोगा निलंबित, एसपी ने की कार्रवाई

हरदोई जिले में आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर एसपी ने कार्रवाई करते हुए दरोगा को निलंबित कर दिया है।हरदोई जिले में आईजीआरएस के जरिए दर्ज कराई गई शिकायत के निस्तारण में बेनीगंज कोतवाली के उपनिरीक्षक ने एक माह पहले मर चुके शख्स को बतौर गवाह दर्ज कर दिया। इतना ही नहीं स्वतंत्र गवाह के तौर पर उसके बयान दर्ज कर आख्या भी भेज दी। मामले की जानकारी एसपी को हुई तो उन्होंने मर चुके व्यक्ति का बयान लगाकर शिकायत निस्तारण करने वाले उपनिरीक्षक को निलंबित कर दिया।बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के बेनीगंज कस्बा निवासी बंटू सोनी ने एक शिकायत आईजीआरएस पर दर्ज कराई थी। शिकायत में पड़ोस के ही रहने वाले एक व्यक्ति और उसके दो पुत्रों समेत चार लोगों पर रंगदारी मांगने, अभद्रता करने आदि का उल्लेख किया था। शिकायत की जांच के लिए बेनीगंज कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक राम शंकर पांडेय को जिम्मेदारी दी गई। राम शंकर पांडेय ने शिकायत का निस्तारण करते हुए आख्या भेज दी, लेकिन निस्तारण की प्रक्रिया में स्वतंत्र गवाह के तौर पर सुरेंद्र के बयान दर्ज कर लिए। यही आख्या भेज दी।इसी बीच एसपी केसी गोस्वामी को पता चला कि जिस सुरेंद्र के बयान दर्ज कर शिकायत निस्तारित की गई है उसकी मौत 26 मई को हो चुकी है। प्रकरण की प्राथमिक जांच कर एसपी केसी गोस्वामी ने उपनिरीक्षक राम शंकर पांडेय को निलंबित कर दिया और उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। बेहद गंभीर मामला है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जलाली चौकी के खरई गाँव में दों पक्षो में मारपीट-पथराव, आधा दर्जन से ज्यादा नामजद

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -अलीगढ जनपद के हरदुआगंज इलाके के खरई गाँव में दों पक्षो में मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि पथराव तक हो गया7 मारपीट और पथराव में दोनों पक्षो के दर्जनभर से ज्यादा लोगों जखमी हो गए7 पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ मुक़दमा दर्ज किया है7 जानकारी के मुताविक जलाली चौकी अधीन खरई गाँव में एक बच्चे के साथ गाँव के ही एक नामजद ने मारपीट कर दीं7 जिसकी शिकायत लेकर पीड़ित पक्ष आरोपी के घर पहुँचा तों हमालवर हो गए7 आरोपी पक्ष ने जमकर मारपीट की इतना ही नहीं पथराव तक कर दिया, पथराव की वीडिओ भी पुलिस को उपलब्ध कराई गई है7 इसी वीडियो के आधार पर पुलिस ने गाँव के ही आठ लोगों के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर जाँच शुरु कर दीं है

इंस्पेक्टर ने फरियादी से कहा- मेरी मर्जी होगी, तब करूंगा कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ -अलीगढ़ के बन्नादेवी थाने में फरियाद लेकर पहुंचे एक व्यक्ति की क्राइम इंस्पेक्टर बिजेंद्र पाल राणा ने सुनवाई नहीं की। ये तक कह दिया कि जब मेरी मर्जी होगी, तब कार्रवाई करूंगा। इसका 22 सेकेंड का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। मामले में सीओ द्वितीय जांच कर रहे हैं। बन्नादेवी क्षेत्र का एक फरियादी आर्टीफिशियल ज्वेलरी की चोरी की शिकायत लेकर थाने में पहुंचा था। इसी दौरान आरोपित के संबंध में पूछने पर इंस्पेक्टर ने कहा कि वो पुलिस का काम है। आगे कहा कि पुलिस को जब समय मिलेगा, तब कार्रवाई हो जाएगी। ये भी कहा कि कि इस काम में मेरी इच्छा चलेगी। एसटी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि सीओ द्वितीय को जांच सौंपी गई है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली से भिड़ी बाइक, चालक गंभीर, रेफर

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। ननिहाल में अंतिम संस्कार में शामिल होकर वापस लौट रहे युवक की मोटरसाइकिल खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ गई। जिससे मोटरसाइकिल चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार मल्हीपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नदीम खान पुत्र इसाख खान (29) निवासी परसा डेहरिया अपने ननिहाल सोनवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौगोई गांव में हुए अंतिम संस्कार में शामिल होकर देर रात वापस घर जा रहे थे, कि तभी हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत जमुनहा बहराइच राजमार्ग पर स्थित बहोरवा गांव के पास रोड पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जाकर भिड़ गई। जिससे मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं आसपास के ग्रामीणों ने एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस यू.पी32 ईजी 4355 से चालक अनुराग पाण्डेय के साथ ईएमटी प्रदीप पाठक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सक डॉ. रवीन्द्र सोनकर द्वारा इलाज किया गया वहीं घायल की हालत में सुधार न होता देख कर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- जनपद में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम के सम्बन्ध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष शिवसरन गौड़ थाना सोनवा मय पुलिस टीम उप निरीक्षक सुरेन्द्र नाथ यादव, आरक्षी प्रदीप यादव, आरक्षी अभिषेक सिंह द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु.अ.सं 102/24 धारा 376, 363 भादवि व 3/4 पाक्सों एक्ट में प्रकाश में आया। अभियुक्त जयप्रकाश उर्फ शिवा उर्फ गोलू पुत्र रामू निवासी ग्राम दुबहा बाजार थाना कौड़िया जनपद गोण्डा को आसाम रोड तिराहा पर से गिरफ्तार किया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

यातायात पुलिस टीम द्वारा यातायात संबंधित आम जनमानस को जागरुक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -रिंकू जायसवाल

श्रावस्ती। यातायात पुलिस टीम द्वारा बढ़ती दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु जनपद के विभिन्न क्षेत्र में जाकर जनमानस को जागरूक किया। इसके साथ ही मा0 सुप्रीम कोर्ट के दिए गए आदेश की अनुसार हिट एंड रन से पीड़ित अधिक से अधिक व्यक्तियों/उनके संबंधियों को मुआवजा दिलाने के लक्ष्य के अनुपालन में थाना सिरसिया अन्तर्गत तालबघौड़ा बाजार पर आम जनमानस को जागरूक किया गया। यातायात टीम द्वारा ट्रैक्टर ट्रालियों, पिकअप आदि कमर्शियल वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया तथा आम जनमानस को दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग करने तथा गलत दिशा में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया तथा पंपलेट्स वितरित किए गए।

ईंट उठाते ही राजमिस्त्री पर टूट पड़ा नागराज, मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। जनपद में चिनाई का काम कर रहे एक राजमिस्त्री पर सांप द्वारा हमला कर काटने की घटना सामने आई है। सांप को देखकर मौके पर अफरा-फतरी मच गई। मजदूरों के साथ-साथ राजमिस्त्री भी काम छोड़कर अपनी जान बचाकर भागने लगा। बाद में राजमिस्त्री को उपचार के लिए सीएचसी शामली पर लाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है।शनिवार को गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के गांव राझड पठानपुरा निवासी 58 वर्षीय नानकचंद को सर्पदंश के बाद साथियों द्वारा सीएचसी शामली पर भर्ती कराया गया। नानकचंद राजमिस्त्री का काम करता है और शनिवार को वह झिंझाना कस्बे में रजनीश नाम के व्यक्ति के मकान पर मजदूरी कर रहा था। बताया जा रहा है कि इसी बीच राजमिस्त्री ने ईंट के चट्टे से चिनाई के लिए एक ईंट उठाई, तभी ईंट के पीछे बैठे सांप ने फुंकार मारते हुए राजमिस्त्री पर हमला बोल दिया। सांप राजमिस्त्री की हथेली से चिपक गया, जिसे राजमिस्त्री ने झटका देकर नीचे गिराया। सांप को देखकर मौके पर काम कर रहे मजदूर और राजमिस्त्री जान बचाकर भागने लगे। सांप कांटने के बाद राजमिस्त्री को साथियों ने फौरन शामली लाकर सीएचसी शामली पर उपचार के लिए भर्ती कराया। सीएचसी पर डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है। सीएचसी की इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल पेशेंट की हालत स्थिर है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

बारिस होने से लोगों ने ली गर्मी से राहत, खुली नगरपालिका के विकास की पोल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- शामली में बारिश होने से लोगों ने ली गर्मी से राहत तथा बच्चों ने बारिस का लिया आनंद। गर्मी का बढ़ना लोगों की मुसीबत बन गया था। हर व्यक्ति किसी न किसी तरह बारिस होने का इन्तजार कर रहे थे। आज बारिस होने से सभी को गर्मी से राहत मिली। लेकिन थोड़ी बारिस होने से नगरपालिका शामली के विकास की पोल खुल गई। बारिस के पानी की सही निकासी न होने से बाजारो में पानी भरने से दुकानों में भरा बरसात का पानी दुकानदार परेशान। शामली के कबाड़ी बाजार में थोड़ी बारिस से ही दुकानों में भरा बारिस का पानी। इसी के चलते और भी बाजारो में बारिस का पानी भरा हुआ दिखाई दिया। पानी की समस्या तो ज्यों की त्यों ही बनी हुई है। विकास किसका हुआ।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल परिसर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, वित्तीय साक्षरता कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक रामफेरन पाण्डेय, विधायक भिनगा इन्द्राणी वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात समूह की महिलाओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। परियोजना अधिकारी डा. अनीता शुक्ला के द्वारा समूह की महिलाओं को सम्बोधित करते हुये उनको स्वालम्बन एवं स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया गया तथा अमित कुमार गुप्ता (डी.पी.एम) स्वच्छ भारत मिशन भिनगा के द्वारा जीरो वेस्ट इवेन्ट के बारे में महिलाओं को बताया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत पांच लाभार्थियों को चाभी वितरण एंव पांच महिलाओं को उत्कृष्ठ कार्य किये जाने हेतु प्रशस्ति पत्र वितरण करते हुये पी.एम स्वानिधि योजना का विस्तार से बताया गया। उक्त कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष ओम मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अमरेन्द्र कुमार वर्मा, परियोजना अधिकारी डूडा डा. अनीता शुक्ला, शहरी मिशन प्रबन्धन इकाई डूडा के प्रबन्धक आरिफ जफर, सामुदायिक आयोजक कु. तारा सी.एल.टी.सी कृष्ण मुनि आदि उपस्थिति रहें।

समर कैंप में बच्चों ने योग कर जमकर मचाया धमाल

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। प्राथमिक विद्यालय रिठौरा, खाता में शनिवार को विशेष समर कैंप का आयोजन किया गया। सबसे पहले प्रधानाचार्या एकता सक्सेना, गंगाराम गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर समर कैंप का आगाज किया। बच्चों ने सबसे पहले योग कर निरोग रहने के संकल्प के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। लड़कियों ने हाथों में मेंहदी लगाना सीखा, वहीं छात्रों ने मिट्टी के बर्तन बनाए।गीत -संगीत सिलाई-कढ़ाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी शिक्षकों ने बच्चों को बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने की युक्ति सुझाई। मिड-डे मील में बच्चों को हलवा पुड़ी खिलवाई गई।इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षिका चन्दन सक्सेना, विमलेश कुमार,हिमानी भास्कर, शिवानी मिश्रा, स्वतंत्र गंगवार, सीमा रानी,सीमा यादव, राजेश कुमार आदि स्टाफ मौजूद रहा।

अपर पुलिस अधीक्षक शामली से पुरानी रंजिश को लेकर मिले अध्यक्ष अरविंद झंझोट

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। भारतीय अनुसूचित जन जागृति समिति एवं राष्ट्रीय समाज वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के अध्यक्ष अरविंद झंझोट के नेतृत्व में मास्टर अहसान अली आपर पुलिस अधीक्षक जनपद शामली से इमराना पत्नी जावेद निवासी मोहल्ला शबीलात निकट रेलवे रोड स्टेशन कस्बा थाना भवन जनपद शामली के परिवार को लेकर मिले। इमराना ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि मोहल्ला शबीलात रेलवे रोड स्टेशन दिनांक 23 6.2024 को मेरे घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर दो पक्षों में गली के रास्ते को लेकर झगड़ा हुआ जिसमें इस विवाद में पुरानी रंजिश से रखते हुए मेरे पति जावेद का नाम भी लिखवा दिया गया है जबकि मेरा पति सुबह ही कपड़ा फेरी करने के लिए चले गए थे इस विवाद की पूरी घटना वहां के लोगों ने वीडियो बनाई हुई है जो इंटरनेट पर वायरल है श्रीमान जी इस विवाद में मेरे पति जावेद का नाम पुरानी रंजिश रखते हुए लिखवाया गया है प्रार्थीया ने जांच कराकर मेरे निर्दोष पति का नाम हटवाए जाने की प्रार्थना की संगठन के अध्यक्ष अरविंद झंझोटने उक्त मामले की गंभीरता से जांच कराने का अनुरोध किया जिसमें अपर जिला पुलिस अधीक्षक महोदय ने जांच कराकर संबंधित कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

सीएमओ हत्याकांड: एक शूटर दोषी करार... दो अन्य आरोपी बरी, दो जुलाई को सीबीआई कोर्ट सुनाएगी सजा

बसपा सरकार में दो सीएमओ की हत्या के मामले में एक शूटर को दोषी पाया गया है। वहीं, दो अन्य को बरी कर दिया गया है। मामले में दो जुलाई को सजा सुनाई जाएगी।बसपा सरकार में परिवार कल्याण विभाग के दो सीएमओ डॉ. विनोद कुमार आर्या और डॉ. बीपी सिंह की हत्या के मामले में सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश अनुरोध मिश्रा ने मुख्य शूटर आनंद प्रकाश तिवारी को दोषी करार दिया है। वहीं, दूसरे शूटर विनोद शर्मा और साजिशकर्ता रामकृष्ण वर्मा को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया है। अदालत आगामी 2 जुलाई को आनंद प्रकाश तिवारी को सजा सुनाएगी।बता दें कि बसपा सरकार के दौरान अक्तूबर, 2010 में विकास नगर इलाके में रहने वाले सीएमओ, परिवार कल्याण डॉ. विनोद आर्या की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके छह माह बाद 2 अप्रैल 2011 को गोमतीनगर में परिवार कल्याण के सीएमओ बीपी सिंह की हत्या भी अज्ञात शूटरों द्वारा कर दी गयी। दो सीएमओ की हत्या से सरकार सकते में आ गयी और मामले की जांच एसटीएफ को सौंप दी गयी। एसटीएफ ने इस मामले में कई आरोपियों को पकड़ा, लेकिन विपक्ष के दबाव में मामला सीबीआई के हवाले करना पड़ गया।सीबीआई ने लंबी जांच के बाद दोनों सीएमओ की हत्या करने वाले आनंद प्रकाश तिवारी, विनोद शर्मा और साजिशकर्ता आरके वर्मा को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि डिप्टी सीएमओ वाईएस सचान ने दोनों सीएमओ की हत्या करायी थी। इस मामले में वाईएस सचान को गिरफ्तार किया गया था, जिनका 22 जून 2011 को लखनऊ जेल के शौचालय में संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ था। सीबीआई ने वाईएस सचान द्वारा आत्महत्या करने की क्लोजर रिपोर्ट अदालत में पेश की थी। हालांकि अदालत इस मामले की पुनर्विवेचना का आदेश दे चुकी है। जांच में सामने आया था कि वाईएस सचान ने डॉ. विनोद आर्या की हत्या कराने के लिए 5 लाख रुपये और डॉ. बीपी सिंह की हत्या कराने के लिए 5 लाख रुपये में सौदा किया था। सीबीआई ने आनंद प्रकाश तिवारी को गिरफ्तार करने के बाद उसके पास से बरामद दोनों पिस्टल और घटनास्थल से मिले खोखे की फोरेंसिक जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा किया था। लंबे वक्त से सीबीआई कोर्ट में चल रही सुनवाई के बाद अदालत ने मुख्य शूटर आनंद प्रकाश तिवारी को दोषी करार दिया है। बता दें कि इस मामले में सीबीआई ने लखनऊ के पूर्व सीएमओ डॉ. एके शुक्ला को भी गिरफ्तार किया था।

रोडवेज बस और ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत, तीन लोगों की मौत और तीन गंभीर, चालक फरार

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में रोडवेज बस की टक्कर से ऑटो सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, तीन की हालत बेहद गंभीर है। उन्नाव जिले के गंजमुरादाबाद में कानपुर जा रही हरदोई डिपो की बस की टक्कर से ऑटो सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हरदोई-उन्नाव मार्ग पर गंजमुरादाबाद कस्बे के मरी कंपनी मोड़ पर हरदोई से कानपुर जा रही रोडवेज बस और मल्लावां जा रहे ऑटो में आमने-सामने टक्कर हो गई।हादसे के वक्त ऑटो एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक कर रहा था और मोड़ की वजह से सामने से आ रही बस को देख नहीं पाया। तेज टक्कर लगने से ऑटो के परखच्चे उड़ गए और ऑटो में बैठे हरदोई के मल्लावां थाना के गंजजलालाबाद निवासी सुनील (35), मल्लावां निवासी लक्ष्मण (35) और बांगरमऊ के पम्पापुर गांव निवासी श्रीकष्ण (40) की मौत हो गई।हादसे के बाद चालक बस छोड़कर भाग गया वहीं, बल्लापुर निवासी ऑटो चालक रामचंद्र (62), बांगरमऊ कस्बा के मुन्नू मियां तलैया निवासी बबलू (35) और बेहटामुजावर थाना क्षेत्र के जोगीकोट निवासी रामसनेही (60), गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी को बांगरमऊ सीएचसी पहुंचाया, जहां रामसनेही, रामचंद्र और बबलू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर भाग गया।

प्राईवेट बस चालक के साथ मारपीट पुलिस को दी तहरीर

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - एक निजी बस चालक ने कुछ बाइक सवार लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। किशन सिंह पुत्र साहब सिंह निवासी तेहरा ने पनेठी चौकी पर दी तहरीर में कहा है कि वह प्राईवेट बस चलाता है। कासगंज से बस लेकर अलीगढ़ जा रहा था तभी पनेठी स्थित अंग्रेजी शराब ठेका से दो बाइक सवार निकले जिनकी बाइक पर नंबर भी नहीं थे। वह पनेठी पुल के नीचे आया तभी खिड़की पर चढ़कर उसके साथ मारपीट की जिसमें उसके शरीर गंभीर चोटे आई हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने संजय झा, पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसला

दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। बिहार सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संजय झा को पार्टी का नया कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इस बैठक में संजय झा को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहे। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद सीएम नीतीश कुमार ने पेश किया। कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संजय झा को बधाई दी। कौन हैं संजय झा- बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके के अरड़िया गांव के रहने वाले हैं। संजय झा जदयू में आने से पहले भाजपा में थे। ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले संजय झा मिथिलांचल में जदयू के बड़े नेता माने जाते हैं। संजय झा राज्यसभा सांसद और पार्टी के संसदीय दल के नेता हैं। संजय झा ने साल 2014 में दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह एमएलसी बने और 2014 से 2024 तक बिहार सरकार में मंत्री रहे। बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने बताया कि संगठन के साथ ही भाजपा के साथ गठबंधन की जिम्मेदारी संजय झा को सौंपी गई है। संजय झा के भाजपा के साथ अच्छे संबंध हैं, ऐसे में पार्टी की कोशिश है कि संजय झा के जरिए भाजपा से विधानसभा चुनाव में बेहतर शर्तों के साथ समझौता किया जाए। संजय झा से पहले जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, नीतीश कुमार, आरसीपी सिंह, ललन सिंह जदयू अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा हुई। विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा- बिहार में विधानसभा चुनाव को देखते हुए जदयू की इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जदयू की बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने, आरक्षण की सीमा बढ़ाने, बिहार को विशेष पैकेज देने या विशेष राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीट पेपर मामले में हुई अनियमितता की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। गौरतलब है कि दिल्ली दौरे पर सीएम नीतीश कुमार बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सहयोगी पार्टी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात भी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जदयू इस बार भाजपा से बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग कर सकती है। बैठक के बाद पार्टी के सांसद भी दिल्ली में नीतीश कुमार से मुलाकात करेंगे। %विशेष राज्य की मांग पर कायम%- राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने कहा, %बिहार को विशेष दर्जा और विशेष पैकेज की हमारी मांग पुरानी है और यह आज भी कायम है। हमारे नेता ललन सिंह, संजय झा जो लोकसभा और राज्यसभा में हैं, वे आने वाले समय में प्रधानमंत्री से मिलेंगे और अपनी बात मजबूती से रखेंगे।% जदयू महासचिव केसी त्यागी ने कहा %सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। राज्यसभा सांसद संजय झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। हम विशेष राज्य का दर्जा और आर्थिक पैकेज के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।

मुख्य सचिव अलीगढ़ भ्रमण: राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी का किया निरीक्षण, बोले-पूरा कैंपस बनकर है तैयार

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र अलीगढ़ पहुंचे। उन्होंने निर्माणाधीन राजा महेंद्र प्रताप सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी के कैंपस का निरीक्षण किया और समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विवि कैंपस की 99 प्रतिशत प्रगति देखी है। पूरा कैंपस बनकर तैयार है।उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र अलीगढ़ पहुंचे। उन्होंने निर्माणाधीन राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी का पूरा कैंपस बनकर तैयार है। इससे उम्मीद दिखने लगी है कि जल्दी ही छोटे से कैंप कार्यालय से यूनिवर्सिटी अपने कैंपस में पहुंच जाएगी।दिल्ली से सुबह 8 बजे चलकर बारिश के बीच ही मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र सुबह 11 बजे अलीगढ़ पहुंचे। सर्किट हाउस पर कुछ समय रूकने के बाद वह लोधा स्थित निर्माणाधीन राजा महेंद्र प्रताप सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी के निरीक्षण को पहुंचे। वहां पर उन्होंने यूनिवर्सिटी कैंपस के निर्माण को लेकर वीसी, प्रशासन और निर्माणदायी संस्था के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान यूनिवर्सिटी वीसी प्रो चंद्रशेखर, कमिश्नर चैत्री वी, डीएम विशाख जी, सीडीओ आकांक्षा राना आदि मौजूद रहे।मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राजा महेंद्र प्रताप राज्य विश्वविद्यालय में बन रही लाइब्रेरी, प्रयोगशालाओं व अन्य कक्ष-भवनों का निरीक्षण किया। उसके बाद मुख्य सचिव ने यूनिवर्सिटी परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही डीएम व कमिश्नर चैत्रा वी ने भी पौधारोपण किया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र स्मार्ट सिटी के अंतर्गत जवाहर पार्क, कल्याण सिंह हेबिटेट सेंटर, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, अचल ताल के सौन्दर्यीकरण आदि कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा करेंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि विवि कैंपस की 99 प्रतिशत प्रगति देखी है। पूरा कैंपस बनकर तैयार है। एकेडमिक, एडमिनिस्ट्रेटिव, फैसिलिटी ब्लॉक, हॉस्टल, वीसी समेत अन्य विवि कर्मचारियों के आवास सारा लगभग बनकर तैयार है। अलीगढ़ की पूर्व सांसद शीला गौतम के परिवार ने विवि को सेंटर ऑफ लर्निंग के नाम से तोहफा दिया है, जहां लाइब्रेरी और वाचनालय है। यह भी लगभग बनकर तैयार है। शैक्षिक सत्र शुरू करने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि कक्षाओं और प्रशासनिक कार्यालयों के फर्नीचर आ चुके हैं। कुछ के फर्नीचर के लिए ऑर्डर हो चुके हैं। 15 अगस्त के आस-पास कैंपस को गुलजार कर दिया जाए।

पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट लाए गए सीएम केजरीवाल, गिरफ्तारी के विरोध मे´ AAP का प्रदर्शन

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया है। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड आज खत्म हो रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया है। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड आज खत्म हो रही है। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था।26 जून को सीबीआई ने कोर्ट से केजरीवाल को पांच दिनों तक के लिए रिमांड पर देने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद सीएम केजरीवाल को तीन दिनों के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था। वहीं, इससे पहले शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डिंग मामले में केजरीवाल को 20 जून को ट्रायल कोर्ट ने जमानत दी थी। जिसके बाद ईडी ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी।कोर्ट में बोली सीबीआई- लोग कोरोना से मर रहे थे, ये घोटाले की साजिश रच रहे थे सीबीआई ने कोर्ट में कहा कि दिल्ली में जब कोरोना महामारी अपनी चरम पर थी और लोग मर रहे थे, तब साउथ लॉबी के सदस्य शराब नीति तैयार करने के लिए दिल्ली आए थे। उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर ही बुलाया गया था। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष जज अमिताभ रावत की अदालत में केजरीवाल की रिमांड की मांग पर सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने कहा कि दिल्ली में मौतें हो रही थीं। उन्होंने एक रिपोर्ट तैयार की और अभिषेक बोइनपल्ली को दी। विजय नायर के माध्यम से रिपोर्ट मनीष सिसोदिया के पास भेजी गई। इस पर चर्चा के लिए कोई बैठक नहीं बुलाई गई। केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप का प्रदर्शन - मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) आज प्रदर्शन कर रही है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया।

देश को ऐसा नेता चाहिए, जो सभी को साथ लेकर चले, शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत का बयान

संजय राउत ने कहा लोकसभा चुनाव का नतीजा पीएम मोदी की निजी हार है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को हरा दिया और उन्हें सरकार बनाने से पहले आत्म निरीक्षण करना चाहिए था।%शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे प्रधानमंत्री मोदी की निजी हार है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश को अब ऐसा नेता चाहिए, जो सभी को साथ लेकर चल सके। संजय राउत ने हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर भी खुशी जताई और कहा कि अब अरविंद केजरीवाल को भी जल्द ही जमानत मिल जाएगी। अरविंद केजरीवाल को भी मिल जाएगी जमानत% संजय राउत ने कहा लोकसभा चुनाव का नतीजा पीएम मोदी की निजी हार है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को हरा दिया और उन्हें सरकार बनाने से पहले आत्म निरीक्षण करना चाहिए था। देश को अब ऐसे नेता की जरूरत है, जो सभी को साथ लेकर चल सके। हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर राउत ने कहा कि न्यायपालिका राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। केंद्रीय एजेंसियां भाजपा की एजेंट हो गई हैं। राहुल गांधी के लोकसभा में नेता विपक्ष बनने के बाद और संसद में विपक्ष की ताकत को देखते हुए हेमंत सोरेन को जमानत मिली है। अरविंद केजरीवाल को भी जमानत मिल जाएगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाया नीट का मामला शिवसेना यूबीटी की ही नेता और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने नीट पेपर में कथित अनियमितता का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। वह छात्रों की चिंताओं को सुनने के लिए ही तैयार नहीं हैं। छात्र सोच रहे हैं कि उनके सांसद नीट मुद्दे को उठाएंगे, लेकिन सरकार नीट मामले पर चर्चा से ही भाग रही है। आम आदमी पार्टी के केजरीवाल की गिरफ्तारी पर किए गए विरोध प्रदर्शन पर शिवसेना नेता ने कहा कि %उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक साजिश के तहत हुई है। हम सभी को केंद्रीय एजेंसियों के गलत इस्तेमाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा पहुंचे कथावाचक प्रदीप मिश्रा, राधारानी के दरबार में दंडवत होकर मांगी माफी; उनके बयान पर हुआ था विवाद

राधा रानी पर विवादित बयान देने के बाद ब्रज वासियों में गुस्सा है। इसको देखते हुए अचानक कथावाचक प्रदीप मिश्रा बरसाना पहुंचे। यहां राधारानी के दरबार में उन्होंने दंडवत होकर माफी मांगी।बरसाना वाली राधे पर विवादित बयान देने के बाद शिव कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा श्री राधारानी के मंदिर बरसाना पहुंचे। यहां उन्होंने राधारानी को प्रणाम कर क्षमा मांगी। वे 5 मिनट तक बरसाना में रहे। यहां उन्होंने राधा-रानी को दंडवत प्रणाम किया और माफी मांगी। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रज वासियों का अभिनंदन किया। सुरक्षा को देखते हुए श्रीजी मंदिर के पास फोर्स तैनात है।उन्होंने कहा कि सभी ब्रजवासियों को बहुत-बहुत बधाई। राधा-रानी के दर्शन करने के लिए यहां पधारा हूं। मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं। बताते चलें कि उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने राधारानी को लेकर अनर्गल बातें की थीं। उनके इस बयान से ब्रजवासी और राधा भक्त बहुत दुखी थे और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

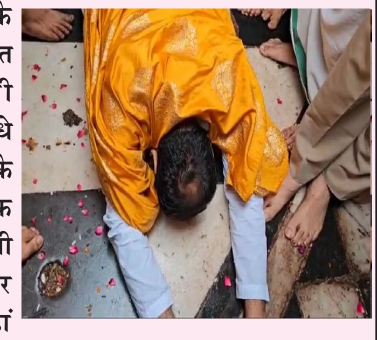

काशी के 50 क्लब जुलाई में लेंगे सेवा और समर्पण की शपथ, पूरे साल लोगों को देंगे ये खास सुविधाएं

सेवा, समर्पण और साहचर्य की भावना से काशी के 50 क्लब नए सत्र का आगाज करेंगे। सभी रोटरी व लायंस क्लब पूरे साल अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करेंगे। इंटरनेशनल स्तर पर रोटरी क्लब और लायंस क्लब सेवा के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उनका नया सत्र जुलाई से शुरू हो रहा है। वे समर्पण, सेवा व साहचर्य की भावना आमजन की सेवा करेंगे। हर क्लबों ने अपने लक्ष्य तय किए हैं। चुने गए नए पदाधिकारी अगले माह पदभार ग्रहण करने के साथ ही वर्षभर शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सेवाएं लोगों को देंगे। जिले में दो हजार से अधिक क्लबों के सदस्य हैं।रोटरी इंटरनेशनल और लायंस इंटरनेशनल के जिले में 50 से अधिक क्लब हैं, जो सेवा कार्य में सतत लगे रहते हैं। वे गरीबों और जरूरतमंदों के लिए सहारा बन जाते हैं। उनका नया सत्र एक जुलाई से अगले वर्ष 30 जून तक चलता है। एक जुलाई से क्लबों के चुने गए नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई जाएगी। रोटरी इंटरनेशनल (डिस्ट्रीक-3120) के चयनित मंडलाध्यक्ष परितोष बजाज ने बताया कि मंडल के 30 जिलों में सौ क्लब है। इसमें बनारस में 22 क्लब है। छह इनरव्हील क्लब महिलाओं के लिए हैं। सभी क्लबों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाने के साथ ही उनको सेवा कार्य लक्ष्य से अवगत कराया जाएगा। साथ ही वह अपने आगामी कार्ययोजनाओं को रखेंगे। लायंस इंटरनेशनल (डिस्ट्रीक-321 ई) के चयनित मंडलाध्यक्ष बलबीर सिंह बग्गा ने बताया कि मंडल के 27 जिलों में कुल 110 से अधिक क्लब हैं। बनारस में 24 क्लब हैं। क्लब के सदस्य प्राथमिक स्कूलों से लेकर मलिन बस्तियों तक सेवा कार्य करते हैं। उनको नए सत्र के लक्ष्य दिए जाएंगे। इनकी ये है सेवाएं- रोटरी क्लब कुंभ मेला में लोगों के आंखों के ऑपरेशन, वैक्सीनेशन के अलावा वाटर कूलर और एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराता है। जबकि लायंस क्लब स्वास्थ्य सेवाओं के साथ गरीबों को डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराता है। गरीब लड़कियों की शादी, प्राथमिक विद्यालयों को गोद लेने जैसे कई सेवा कार्य किए जाते हैं।नेकी की दीवार बना सहारा-पूर्व रोटरी क्लब की अनूठी सेवाद नेकी की दीवार है, जो गरीबों व जरूरतमंदों के लिए सहारा बना है। रोटरी के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि शहर में कुछ स्थानों पर नेकी की दीवार बनाई गई है। इसके जरिये पुराने कपड़े, घरों की सजावटी आदि सामग्री देने और लेने की व्यवस्था है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

If you avoid wearing ethnic clothes in summer, then get a traditional look with these methods

If you want to avoid the heat and also want a traditional look without wearing heavy clothes, then here are some tips which you can use. In the summer season, most people want to wear light, loose and comfortable clothes. However, even in comfortable clothes, they want to adopt stylishness and fashion so that they can look different and stylish from others. Generally, western and casual wear provide you comfort in summer, but carrying

ethnic clothes can be a little uncomfortable. If you have to attend a wedding party in summer, and on this occasion have to wear a traditional heavy saree, lehenga or suit, then you may be troubled by the heat. If you want to avoid the heat and also want a traditional look without wearing heavy clothes, then here are some tips which you can use. If you have to attend a wedding party in summer, and on this occasion have to wear a traditional heavy saree, lehenga or suit, then you may be troubled by the heat. If you want to avoid the heat and want a traditional look without wearing heavy clothes, then here are some tips which can be used. Give a heavy look to a light saree - If you do not want to wear heavy clothes in summer, then choose light clothes and give a heavy look with jewelry, hairstyle and accessories. Wear a light, comfortable saree with heavy and beautiful prints. Match it with traditional jewelry. This can make the look traditional and party-friendly. Indo-Western clothes - Many designer Indo-western clothes are in trend in the market these days. Such clothes also give a traditional look and can be carried quickly and easily. Indo-western saree, lehenga, suit and many other clothing options are available in it. These are also comparatively light and comfortable. Heavy prints - Due to borders and heavy embroidery in ethnic clothes, the clothes become heavier and uncomfortable. Therefore, choose such outfits which have full prints and look like zari and gota work from a distance. Such clothes may look heavy but can be light and comfortable to wear. Light colours- If you have to wear ethnic clothes, then choose light and heat-relief colours. Pastel colours not only soothe the eyes but also keep the body temperature normal as compared to dark coloured clothes. Bright colours can increase the heat. Therefore, heat can be avoided in ethnic look by using cool colours.

Which fruits should diabetics eat and which should they not? Make these changes in your diet to stay healthy

Diabetes is a problem affecting a large population around the world, the risk of which is being seen in people of all ages. Health experts say, apart from genetics and metabolic problems, its risk is also seen increasing due to lifestyle and dietary irregularities. If someone in your family has already had this disease, then there is a need to be even more cautious. Doctors say, to keep blood sugar levels under control, it is important that you pay special attention to your diet. It is most important to know what diabetics should eat and what they should not. Let us know which fruits

should people with diabetes eat and which should they not? Consumption of high sugar items can lead to the risk of increasing blood sugar. Which fruits should not be eaten in diabetes? - In diabetes, one should keep distance from those fruits and foods which have a high glycemic index. By the way, fruits are considered very good for our health, because it contains high amounts of fiber and other nutrients. But some fruits also contain high amounts of natural sugar, which can lead to a risk of rapid increase in sugar levels. For example, a normal sized mango can contain up to 46 grams of natural sugar. To keep your weight under control and sugar levels under control, excessive consumption of mango should be avoided. These fruits can also be harmful- Just like mango, excessive consumption of fruits like grapes and cherries can also lead to a risk of increasing sugar levels. One cup of grapes contains about 23 grams of sugar. Similarly, eating cherries can also lead to a risk of increasing sugar levels. One cup of it contains 18 grams of sugar. Watermelon, a favorite of people in summer, can also be the reason for a rapid increase in blood sugar levels. Beneficial fruits for diabetics- Diabetic patients should always choose fruits that have low sugar levels and glycemic index. Eating avocado can be a better option for you. A normal sized avocado contains only 1.33 grams of sugar. Studies have found that people who regularly consume this fruit not only keep their sugar level under control, but it can also provide special benefits to heart health. Beneficial fruit for diabetics - Diabetic patients should always choose fruits that have low sugar levels and glycemic index. Eating avocado can be a better option for you. A normal sized avocado contains only 1.33 grams of sugar. Studies have found that people who regularly consume this fruit not only keep their sugar level under control, but it can also provide special benefits to heart health.

Delicious ice cream is made from litchi, know the easy way to prepare it

There will hardly be any person who would not like to eat ice cream in the summer season. From children to adults, everyone eats ice cream in this season to get rid of the heat. Although you get ice cream of every flavor in the market, but there is a fear of getting sick by eating too much ice cream from the market. In such a situation, if you want, you can make delicious ice

cream at home and serve it to your family. In this article, we will teach you to make delicious litchi ice cream at home. Eating litchi is very beneficial in this season anyway. Litchi works to cool the body. This is the reason that if you make litchi ice cream at home, then everyone will eat it with great gusto. Along with this, after eating it, the family members will not get tired of praising you. So without wasting any time, let us teach you how to make litchi ice cream. Ingredients for making ice cream- 2 cups fresh litchi 1 cup condensed milk 1 cup full cream milk 1 cup heavy cream 1/2 cup sugar 1 tsp vanilla essence Method To make litchi ice cream, first make litchi puree. For this, wash the litchi and remove its peel and seeds. After this, put the litchi pulp in the mixer grinder and make a puree. Keep in mind that there should be some pieces of litchi in it. If some pieces remain in the puree, it will give a good texture to the ice cream. After making the puree, mix condensed milk, full cream milk, and sugar in a large bowl. After this, add litchi puree to this bowl and mix well. After this, add whipped cream to it slowly and add it to the litchi mixture. While adding the cream, do not whip it, just mix it lightly. Finally, add vanilla essence to this mixture and mix well. This will give a good taste to the ice cream. Now pour this mixture into the ice cream mould and let it freeze for at least 6-8 hours or overnight. When this ice cream freezes, add litchi pulp to it and serve it. This litchi ice cream will be very tasty to eat.

The verbal war between 'Kaaleen Bhaiya' and 'Vidhayak ji' is not stopping, the actor responded to the comment on struggle

If we count the names of the popular Indian series in the world of OTT, then the list is considered incomplete without Prime Video's series 'Mirzapur'. Although this series is full of abuse,

violence, misbehavior with women, but despite all this, the audience has given a lot of love to this series. Pankaj Tripathi, who plays the character of Kaleen Bhaiya, is in the news for this series. However, amidst all this, Pankaj has also responded to actor Pankaj Jha's comment on him about his struggles. Actor Pankaj Tripathi, who is ready for the release of the third season of 'Mirzapur', has reacted to 'Panchayat' actor Pankaj Jha accusing him of romanticizing his struggles. In an interview, Pankaj Jha had said that he does not like the word struggle. He was reportedly referring to Pankaj Tripathi stealing Manoj Bajpayee's slippers from the hotel room. Citing this incident, Pankaj told how his struggles are glamorized. Now reacting to this, Pankaj Tripathi said, "I never romanticized my journey or struggles. Yes, I did say that my wife used to earn and I used to look for work. I never said that I would tie a gamchha around my waist and sleep outside Andheri station. When we came to Mumbai, my life was good and happy. I never tried to glamorize it or get sympathy from it." The actor said, "We live our own journeys and fight our own battles. When you read or hear these stories, some people may get inspired. And even if they are not inspired, it is not an issue. Everyone should just live their life the way they want." Let us tell you that Pankaj Tripathi had mentioned the slipper incident on Kapil Sharma Show. He told that while working in a hotel, Manoj Bajpayee had come as his guest and he had forgotten his slippers there.

Women's power was seen in these films, female characters played the main characters

The role of women has always been very important in Indian cinema. In the seventies and eighties, when Amitabh Bachchan was very much liked in the role of Angry Young Man, even then the role of the actresses playing his mother in the films was very important. Moving forward in this sequence, many such films were also made in which the characters of the hero and heroine were equally important. After this, the era of those films started in which women empowerment was talked about and actresses appeared in the lead roles in the film. Today in this article we will mention those films released in the last three-four years, in which female characters appeared in the lead roles and the film rested completely on the shoulders of the actresses. 'Sharmaji Ki Beti' - The latest name in this series is the film Sharmaji Ki Beti released on Amazon Prime Video. This recently released film has been directed by Tahira Kashyap, wife of famous actor Ayushmann Khurrana. The film talks about women empowerment. Sakshi Tanwar, Divya Dutta and Saiyami Kher have appeared in the lead roles in this film. The film shows the story of a Sharma family, showing love, career and self-discovery across generations. The film is getting positive response from the audience. 'Crew' - This film was released this year itself. The film is directed by Rajesh A Krishnan. The film stars Tabu, Kareena Kapoor Khan and Kriti Sanon in lead roles. Apart from this, Diljit Dosanjh and famous comedian Kapil Sharma were seen in supporting roles in the film. The film was entirely based on female characters. In this, all three actresses played the role of air hostesses, who are involved in gold smuggling. The film performed well at the box office and proved to be a successful film. 'Thank You for Coming' - Released in the year 2023, this film was an adult comedy film. This film was directed by Karan Boolani. At the same time, the film was produced by Ekta Kapoor. Bhumi Pednekar, Shehnaaz Gill, Dolly Singh, Kusha Kapila and Shibani Bedi were seen in lead roles in the film. The film was based on adult themes, which revolves around Bhumi's character. Women were seen in all the main characters in this film. However, the film did not get much success at the box office. 'Jahaan Chaar Yaar' - Released in the year 2022, this film was completely based on women. The life of four women is shown in this film. The film is a comedy-drama, directed by Kamal Pandey. The story of this film is also written by Kamal Pandey. The film stars Swara Bhaskar, Meher Vij, Shikha Talsania and Pooja Chopra in central roles. The film depicts the life of married women, whose whole life is spent revolving around their husband and family. The film proved to be a failure at the box office.

Tabu shared a heart touching note for her dog Chinnu, wrote- 'Celebrating ten years of pure love'

Tabu has shared a picture with mother Rizwana Hashmi and her dog Chhota Chinnu. Along with this, she has written a heart touching note for her pet dog Chinnu. In the picture, Tabu's mother and her dog are also seen posing for the camera. Bollywood actress Tabu is in the news these days for her upcoming film 'Auron Mein Kahan Dum Tha'. In this film, she will be seen with Ajay Devgan. This film is set to hit the theaters on July 5. The actress, known for her brilliant acting, has written a heart touching note for her pet dog Chinnu on social media. She has shared a picture with her pet dog. In this, her mother is also seen with him. Shared picture with mother and Chinnu Tabu told in her post that over the years he has become a favorite member of her family. In the post, she has highlighted her moments of laughter, tears, garden walks and even Chinnu barking to scare them. Tabu shared this note with a picture. In this, her mother Rizwana Hashmi and little Chinnu are seen. Tabu's mother and her dog are also seen posing for the camera. Tabu is lovingly holding Chinnu in her hands. Shared love by sharing the note - The actress wrote in the note, 'Chinnu came home on a hot and humid day on 29 June 2014. He looked like a small dot, who later joined my family and friends. Celebrating ten years of pure love, sharing laughter and tears, walking in the garden, scaring big cute animals with his barking sound and much more. Along with this, celebrating the love he is getting from everyone. Thank you.' Tabu is known for her brilliant acting as well as her deep affection towards pets. She will be seen in 'Auron Mein Kahan Dum Tha' - Talking about the work front, Tabu was last seen in the film Crew. She received a lot of praise for her brilliant performance in the film along with Kareena Kapoor and Kriti Sanon. After this, she was soon seen in the romantic-thriller film 'Auron Mein Kahan Dum Tha'. Directed by Neeraj Pandey, this film will be released in theaters on July 5.